IV. मौद्रिक स्थितियां

वैश्विक संकट, जिसने लगभग सभी वित्तीय बाजारों में वित्तीय लिखतों की ट्रेडिंग हेतु कठोर बाजार चलनिधि के आलोक में निधीयन चलनिधि हेतु गहरी अनिश्चितताएं पैदा कीं, ने निधीयन चलनिधि और बाजार चलनिधि के बीच जबर्दस्त प्रतिक्रियाओं को सम्मुख ला दिया। 2008 की अंतिम तिमाही में जैसे ही इस वैश्विक चलनिधि संकट ने देशी मुद्रा और विदेशी मुद्रा बाजारों को प्रभावित करना शुरू किया, रिज़र्व बैंक ने बाजार के सामान्य रूप से काम करने और इस प्रकार अर्थव्यवस्था के उत्पादक क्षेत्रों को ऋण का पर्याप्त प्रवाह सुसाध्य बनाने के उद्देश्य के साथ बैंकों के माध्यम से बाजार को देशी और विदेशी मुद्रा चलनिधि का पर्याप्त प्रावधान सुनिश्चित किया। जैसे ही बाजार को डालर चलनिधि का प्रावधान किए जाने के कारण रिज़र्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां संकुचित हुईं, वैसे ही इस प्रभाव को बराबर करने के लिए नीतिगत कार्रवाईयों के माध्यम से निवल देशी आस्तियों का विस्तार किया गया ताकि समग्र रुपया चलनिधि की स्थिति सुगम बनी रहे। रिज़र्व बैंक का मौद्रिक नीति दृष्टिकोण 2008-09 की पहली छमाही में मुद्रास्फीति से संबंधित चिंताओं से हटकर वित्तीय स्थिरता बनाए रखने और दूसरी छमाही में वृद्धि की गिरावट को रोकने पर चला गया। हालांकि सांकेतिक अनुमानों के अनुरूप ही मुद्रा आपूर्ति पैदा हुई और निजी क्षेत्र को क्रेडिट ने अर्थव्यवस्था के वास्तविक क्षेत्र में उभरने वाली स्थितियां दर्शायीं।

IV.1 निवल पूंजी बहिर्वाह और वाणिज्यिक क्षेत्रों को बैंक ऋण के विस्तार में कमी दर्शाते हुए 2008-09 के दौरान मौद्रिक और चलनिधि समुच्चयों की वृद्धि ने कुछ नरमी दिखाई। 2008-09 की अंतिम तिमाही के दौरान व्यापक मुद्रा की वृद्धि घट गई और यह वर्ष 2008-09 के लिए रिज़र्व बैंक के 19.0 प्रतिशत के अनुमानित पथ से मामूली रूप से कम रही। उद्योग जगत को निधियों के

प्रवाह के अन्य स्रोतों के सूखने की पृष्ठभूमि में अक्तूबर 2008 तक वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण का विस्तार मजबूत बना रहा लेकिन उसके बाद घटने लगा और वर्ष 2008-09 के लिए 24.0 प्रतिशत के रिज़र्व बैंक के तीसरी तिमाही समीक्षा अनुमानों से नीचे बना रहा। आरक्षित मुद्रा और देशी चलनिधि पर निवल विदेशी मुद्रा आस्तियों में गिरावट का संकुचनकारी प्रभाव खुले बाजार परिचालनों (ओएमओ), बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत निधियों के खोलने और रुपया चलनिधि बढ़ाने के अन्य उपायों से बराबर हो गया। केन्द्र सरकार को रिज़र्व बैंक का निवल क्रेडिट काफी बढ़ गया जो खुले बाजार परिचालनों के अंतर्गत भारी खरीद तथा बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत निधियों के खुलने को प्रतिबिंबित करता है। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय उथल-पुथल और हेड लाईन मुद्रास्फीति में अधोगामी रुख के परिप्रेक्ष्य में घरेलू अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव की प्रतिक्रिया में रिज़र्व बैंक ने सितंबर 2008 के मध्य से मौद्रिक स्थितियां सुगम बनाने की दिशा में अनेक पारंपरिक और अपारंपरिक उपाय किये। इन उपायों का लक्ष्य बैंकिंग प्रणाली को पर्याप्त चलनिधि सुनिश्चित करना था ताकि वृद्धि के आवेग को फिर से जीवित करने के लिए उत्पादक प्रयोजनों हेतु क्रेडिट उपलब्ध कराया जा सके।

मौद्रिक सर्वेक्षण

IV.2 वर्ष-दर-वर्ष आधार पर व्यापक मुद्रा ($एम_3$) वृद्धि मार्च 2009 के अंत में 18.4 प्रतिशत रखी गयी जो कि एक वर्ष पहले के 21.2 प्रतिशत की तुलना में कम थी। निवास-आधारित नये मौद्रिक समुच्चय ($एनएम_3$) जो सीधे तौर पर अनिवासी भारतीय विदेशी मुद्रा जमाराशियां जैसे कि एफसीएनआर(बी) जमाराशियों को सीधे हिसाब में नहीं लेता, में विस्तार एक वर्ष पहले की 21.3 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009 के अंत में 18.2 प्रतिशत रहकर कम था। इसी प्रकार चलनिधि समुच्चय $एल_1$ एक वर्ष पहले के 20.6 प्रतिशत की तुलना में 17.6 प्रतिशत रहकर कम था (सारणी 34 और चार्ट 14)।

IV.3 2008-09 के दौरान महत्वपूर्ण मौद्रिक समुच्चयों में वृद्धि ने देशी और वैश्विक वित्तीय स्थितियों तथा मौद्रिक नीतियों के प्रति आवश्यक प्रतिक्रियों से उत्पन्न होने वाली बदलती चलनिधि स्थितियां दर्शाईं। सितंबर 2008 से वैश्विक वित्तीय स्थितियों में गिरावट तथा पूंजी बहिर्वाहों ने देशी चलनिधि स्थितियां कठोर बना दीं। इसकी वजह से रिज़र्व बैंक को रुपया और डॉलर चलनिधि बढ़ानी पड़ी तथा नीतिगत उपायों की श्रृंखलाओं के माध्यम से वृद्धि में आ रही गिरावट को रोकने के लिए ऋण संवितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना पड़ा। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा और पण्य मूल्यों में उल्लेखनीय गिरावट के साथ-साथ वित्तीय बाजार में छाई उथल-पुथल के कारण सकल वैश्विक मांग में धीमेपन के कारण अगस्त 2008 से थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआइ) मुद्रास्फीति नरम पड़ गई। मौजूदा समष्टि आर्थिक परिदृश्य को देखते हुए नकदी आरक्षित अनुपात (सीआरआर) अक्तूबर 2008 से 9.0 प्रतिशत से 4.0 प्रतिशत अंक संचयी रूप से घटाकर 5.0 प्रतिशत कर दिया गया है। सीआरआर में की गयी इस कमी से प्रणाली को 1,60,000 करोड़ रुपये की प्राथमिक चलनिधि मिली। रिपो दर भी संचयी 4.0 प्रतिशत अंक घटाकर 5.0 प्रतिशत कर दी गयी थी। रिवर्स रिपो दर भी 2.5 प्रतिशत अंक घटाकर 3.5 प्रतिशत अंक कर दी गयी थी (देखें अध्याय VI, सारणी 66)। हालांकि, मौद्रिक चलनिधि समुच्चय मजबूत बने रहे लेकिन अंतिम तिमाही में इनमें से कुछ कमी आई जो आर्थिक वृद्धि में धीमेपन को दर्शाता है।

सारणी 34 : मौद्रिक संकेतक

(राशि करोड रुपए में)

मद	31 मार्च 2009 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		31 मार्च 2008		31 मार्च 2009	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
I. आरक्षित मुद्रा ($एम_0$)	9,87,902	2,19,412	31.0	59,600	6.4
(सीआरआर परिवर्तन के लिए समायोजित आरक्षित मुद्रा)		(1,72,412)	(25.3)	(1,61,850)	(19.0)
II. संकीर्ण मुद्रा ($एम_1$)	12,45,557	1,86,443	19.3	93,125	8.1
III. व्यापक मुद्रा ($एम_3$)	47,58,504	7,01,580	21.2	7,40,932	18.4
क) जनता के पास मुद्रा	6,66,095	85,475	17.7	97,815	17.2
ख) कुल जमाराशि	40,86,865	6,14,546	21.7	6,46,627	18.8
i) मांग जमाराशियां	5,73,918	99,410	20.9	-1,179	-0.2
ii) मीयादी जमाराशियां	35,12,947	5,15,137	21.9	6,47,806	22.6
जिसमें से:					
अनिवासी विदेशी मुद्रा जमाराशियां	67,303	-10,525	-15.6	10,368	18.2
IV. $एनएम_3$	47,65,882	7,08,086	21.3	7,33,298	18.2
जिसमें से: वित्तीय संस्थाओं (एफआइ) से मांग अवधि के निधीयन	1,11,739	20,668	24.1	5,235	4.9
V. क) एल1	48,79,353	7,07,388	20.6	7,31,918	17.6
जिसमें से: डाक जमाराशियां	1,13,471	-698	-0.6	-1,380	-1.2
ख) $एल_2$	48,82,285	7,07,388	20.5	7,31,918	17.6
ग) $एल_3$	49,06,932	7,08,221	20.4	7,31,713	17.5
VI. व्यापक मुद्रा के प्रमुख स्रोत					
क) सरकार को निवल बैंक ऋण (i+ii)	12,83,165	71,612	8.6	3,77,318	41.7
i) सरकार को रिज़र्व बैंक का निवल बैंक ऋण	69,913	-1,15,632	–	1,83,122	–
जिसमें से: केन्द्र को	69,311	-1,16,772	–	1,83,947	–
ii) सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	12,13,252	1,87,244	22.5	1,94,196	19.1
ख) वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	30,12,673	4,47,059	21.0	4,35,536	16.9
ग) बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	13,22,847	3,81,952	41.8	27,716	2.1
घ) जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयता	9,984	1,063	13.0	760	8.2
ङ) बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रेतर देयताएं	8,70,165	2,00,107	35.1	1,00,399	13.0
ज्ञापन:					
एससीबी की कुल जमाराशियां	38,30,322	5,85,006	22.4	6,33,382	19.8
एससीबी का खाद्येतर ऋण	27,23,801	4,32,846	23.0	4,06,287	17.5

एससीबी: अनुसूचित वाणिज्य बैंक।

$एनएम_3$ निवास आधारित व्यापक मुद्रा समुच्चय है । $एल_1$,$एल_2$ और $एल_3$ चलनिधि समुच्चय है जिनका संकलन मुद्रा आपूर्ति पर कार्यदल, 1998 की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है।

एल1 = एनएम3 + डाकघर के बचत बैंकों में रखी चुनिंदा जमाराशियां।

एल2 = एल1 + मीयादी उधारदात्री संस्थाओं तथा पुनर्वित्त देनेवाली संस्थाओं के पास रखी मीयादी जमाराशियां + वित्तीय संस्थाओं द्वारा लिए गए मीयादी उधार + वित्तीय संस्थाओं द्वारा जारी जमाराशि प्रमाणपत्र।

एल3 = एल2 + गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की सार्वजनिक जमाराशियां।

टिप्पणी: 1. आंकड़े अनंतिम हैं। जहां आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं वहां अनुमान के रूप में पिछले महीने के उपलब्ध आंकड़ें दोहराए गए हैं।

2. 31 मार्च 2009 के सरकारी शेष लेखा बंद करने के पहले का है।

चार्ट 14: मुद्रा आपूर्ति

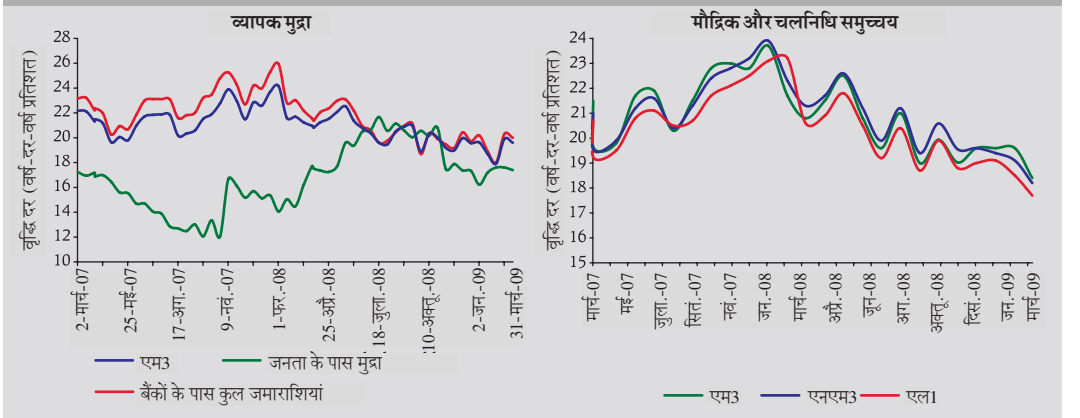

IV.4 व्यापक मुद्रा (एम$_3$) में वृद्धि में कमी ने मुख्य रूप से 2008-09 के दौरान सकल जमाराशि विस्तार में गिरावट दर्शायी जो आर्थिक गतिविधि में पलटाव से उत्पन्न हुई। 2008-09 की पहली छमाही में चलन में करेंसी अत्यधिक बनी रही जो 'किसान ऋण माफी योजना' के अंतर्गत संवितरण तथा छठे वेतन आयोग के भुगतानों के प्रभाव को दर्शाती है। जनता के पास मुद्रा एक वर्ष पहले के 17.7 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009 के अंत की स्थिति के अनुसार 17.2 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) बढ़ी (सारणी 35)। 2008-09 की पहली दो तिमाहियों के दौरान मीयादी जमाराशियों में वृद्धि घट गई लेकिन इसके बाद इसमें जबर्दस्त विस्तार दिखाई दिया जो मांग जमाराशियों और अन्य बचत लिखतों के मीयादी जमाराशियों में जाने को दर्शाता है। मीयादी जमाराशियों ने एक वर्ष पहले के 21.9 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009 के अंत में 22.6 प्रतिशत की (वर्ष-दर-वर्ष) उच्च वृद्धि दर्ज की। अल्प बचत योजनाओं से निवल बहिर्वाह जो दिसंबर 2007 से प्रारंभ हुआ था फरवरी 2009 तक जारी रहा। अद्यतन अवधि के संबंध में आंकड़े उपलब्ध हैं (चार्ट 15)।

IV.5 व्यापक मुद्रा (एम$_3$) के स्रोत पक्ष की ओर देखें तो, वाणिज्य क्षेत्र को बैंक ऋण की वृद्धि में कमी आई और बैंकिंग क्षेत्र को निवल विदेशी मुद्रा आस्तियों के विस्तार में काफी हद तक कमी आई। दूसरी ओर, केंद्र को रिज़र्व बैंक का निवल क्रेडिट बढ़ गया जो बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत बकाया शेषों में गिरावट, खुला बाजार परिचालनों में वृद्धि (विशेष बाजार परिचालन के माध्यम से तेल बांडों की खरीद सहित) और रिज़र्व बैंक के पास केंद्र के अधिशेष में गिरावट को दर्शाता है। तथापि, सरकार को अनुसूचित वाणिज्य बैंकों (एससीबी) के क्रेडिट में वृद्धि में इस अवधि के दौरान कुछ नरमी दिखाई दी। वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक क्रेडिट एक वर्ष पहले के 21.0 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009 के अंत की स्थिति के अनुसार 16.9 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) की वृद्धि हुई। अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के खाद्येतर बैंक क्रेडिट में वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) ने 2008-09 की पहली दो तिमाहियों के दौरान जोर पकड़ा। तेल कंपनियों की निधीयन आवश्यकताओं तथा कॉरपोरेट द्वारा बैंकेतर तथा बाह्य स्रोतों से जुटाई गई निधियों के प्रतिस्थापन के कारण पेट्रोलियम क्षेत्र को क्रेडिट में भारी वृद्धि के परिप्रेक्ष्य में यह अक्तूबर-नवंबर 2008 के दौरान शिखर पर पहुंच गई लेकिन इसके पश्चात इसमें सतत गिरावट दिखाई दी। खाद्येतर ऋण वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) एक वर्ष पहले के 23.0 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009

सारणी 35 : मौद्रिक समुच्चय - घटबढ़

(करोड़ रुपए)

मद	2007-08	2008-09	2008-09			
			ति.1	ति.2	ति.3	ति.4
1	2	3	4	5	6	7
एम$_3$(1+2+3 = 4+5+6+7-8)	7,01,580 (21.2)	7,40,932 (18.4)	88,874	1,71,180	1,59,060	3,21,818
1. जनता के पास मुद्रा	85,475 (17.7)	97,815 (17.2)	35,749	-17,971	40,431	39,606
2. बैंकों में कुल जमाराशियां	6,14,546 (21.7)	6,46,627 (18.8)	57,235	1,88,636	1,11,585	2,89,171
2.1 बैंकों में मांग जमाराशियां	99,410 (20.9)	-1,179 (-0.2)	-79,118	52,023	-61,730	87,646
2.2 बैंकों में मीयादी जमाराशियां	5,15,137 (21.9)	6,47,806 (22.6)	1,36,353	1,36,614	1,73,315	2,01,525
3. बैंकों में 'अन्य' जमाराशियां	1,558 (20.8)	-3,510 (-38.8)	-4,110	514	7,045	-6,959
4. सरकार को बैंक का निवल ऋण	71,612 (8.6)	3,77,318 (41.7)	36,224	30,879	1,29,330	1,80,885
4.1 सरकार को भारिबैंक का निवल ऋण	-1,15,632	1,83,122	-13	51,360	30,230	1,01,545
4.1.1 केंद्र को भी.रि.बैंक का निवल ऋण	-1,16,772	1,83,947	1,430	51,379	29,932	1,01,206
4.2 सरकार को अन्य बैंकों का ऋण	1,87,244	1,94,196	36,237	-20,482	99,101	79,339
5. वाणिज्यिक क्षेत्र को बैंक ऋण	4,47,059 (21.0)	4,35,536 (16.9)	31,107	1,59,864	88,766	1,55,799
6. बैंकिंग क्षेत्र की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां (एनएफईए)	3,81,952	27,716	66,858	7,271	-1,32,461	86,048
6.1 भारिबैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	3,69,977	43,986	1,03,932	10,336	-1,56,330	86,048
7 जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	1063	760	225	206	186	143
8 बैंकिंग क्षेत्र की निवल मुद्रेतर देयताएं	2,00,107	1,00,399	45,541	27,040	-73,239	1,01,056
ज्ञापन:						
1. एससीबी के पास रखी अनिवासी विदेशी मुद्रा जमाराशि	-10,525	10,368	2,048	3,898	-2,536	6,957
2. वित्तीय संस्थाओं से एससीबी के मांग-अवधि उधार	20,668	5,235	-1,116	7,015	-685	21
3. एससीबी द्वारा लिए गए विदेशी उधार	12,546	-2,795	9,494	4,600	-5,185	-11,704

एससीबी : अनुसूचित वाणिज्य बैंक

टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।
2. कोष्ठक में दिए गए आंकड़े घट-बढ़ दर्शाते हैं।

के अंत में 17.5 प्रतिशत रही (सारणी 36)। जमाराशियों में विस्तार के सापेक्ष क्रेडिट में निम्न विस्तार से अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का वृद्धिशील क्रेडिट-जमा अनुपात (वर्ष-दर-वर्ष) एक वर्ष पहले के 73.3 प्रतिशत से गिरकर मार्च 2009 के अंत में 64.4 प्रतिशत हो गया (चार्ट 16)।

IV.6 एसएलआर प्रतिभूतियों में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के निवेश उनकी निवल मांग और मीयादी देयताओं (एनडीटीएल) के प्रतिशत के रूप में एक वर्ष पहले के 27.8 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2009 के अंत में 28.1 प्रतिशत हो गए। तथापि, बकाया आधार पर चलनिधि समायोजन सुविधा के लिए समायोजित संपार्श्विक प्रतिभूतियां मार्च 2009 की

चार्ट 15: मीयादी जमाराशियां और अल्प बचतें

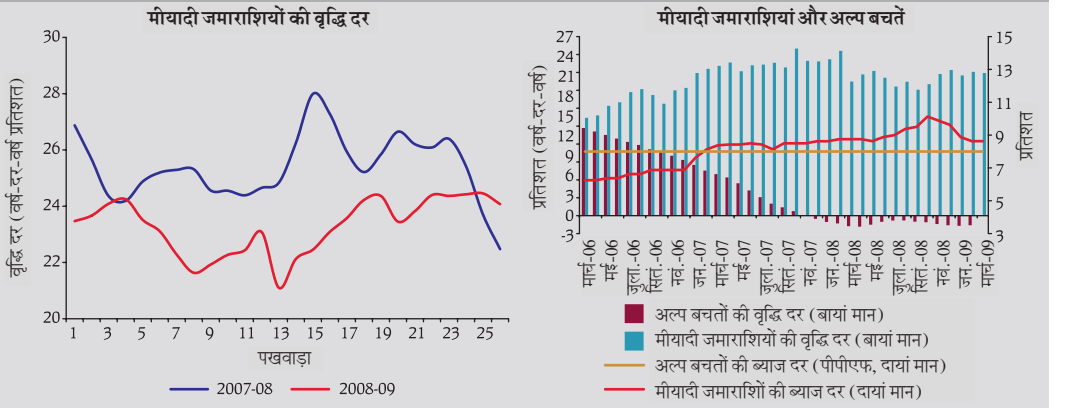

स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की एसएलआर प्रभूतियों की धारिता 11,10,156 करोड़ रुपए अथवा एनडीटीएल का 26.7 प्रतिशत थीं अर्थात एनडीटीएल के 24.0 प्रतिशत के निर्दिष्ट एसएलआर से अधिक 1,13,817 करोड़ रुपए अथवा एनडीटीएल का 2.7 प्रतिशत अधिक (चार्ट 17)।

सारणी 36 : अनुसूचित वाणिज्य बैंकों का सर्वे

(राशि करोड रुपए में)

मद	27 मार्च 2009 को बकाया	वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़			
		28 मार्च 2008		27 मार्च 2009	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
निधि स्रोत					
1. कुल जमाराशियां	38,30,322	5,85,006	22.4	6,33,382	19.8
2. मांग / वित्तीय संस्थाओं द्वारा मीयादी निधीयन	1,11,739	20,668	24.1	5,235	4.9
3. समुद्रपारीय विदेशी मुद्रा उधार	41,655	12,546	39.3	-2,795	-6.3
4. पूंजी	47,016	9,695	28.5	3,246	7.4
5. आरक्षित निधि	2,81,673	60,126	35.6	52,821	23.1
निधियों का उपयोग					
1. बैंक ऋण	27,70,012	4,30,724	22.3	4,08,099	17.3
जिनमें से: खाद्येतर ऋण	27,23,801	4,32,846	23.0	4,06,287	17.5
2. सरकारी और अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश	11,65,746	1,80,199	22.8	1,94,031	20.0
क) सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	11,48,168	1,82,603	23.5	1,89,507	19.8
ख) अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में निवेश *	17,578	-2,405	-15.6	4,524	34.7
3. गैर-एसएलआर प्रतिभूतियों में निवेश	2,11,953	30,155	21.5	41,344	24.2
4. विदेशी मुद्रा आस्तियां	56,251	-27,564	-46.9	25,062	80.4
5. भारतीय रिज़र्व बैंक के पास शेष	2,38,195	76,900	42.7	-18,927	-7.4

* : भारतीय रिज़र्व बैंक की 13 फरवरी 2008 की अधिसूचना सं.डीबीओडी.बीसी.61/12.02.001/2007-08 में अधिसूचित किए गए अनुसार एसएलआर में निवेश दर्शाता है।

टिप्पणी : आंकड़े अंनतिम हैं।

चार्ट 16: अनुसूचित वाणिज्य बैंकों के ऋण में वृद्धि

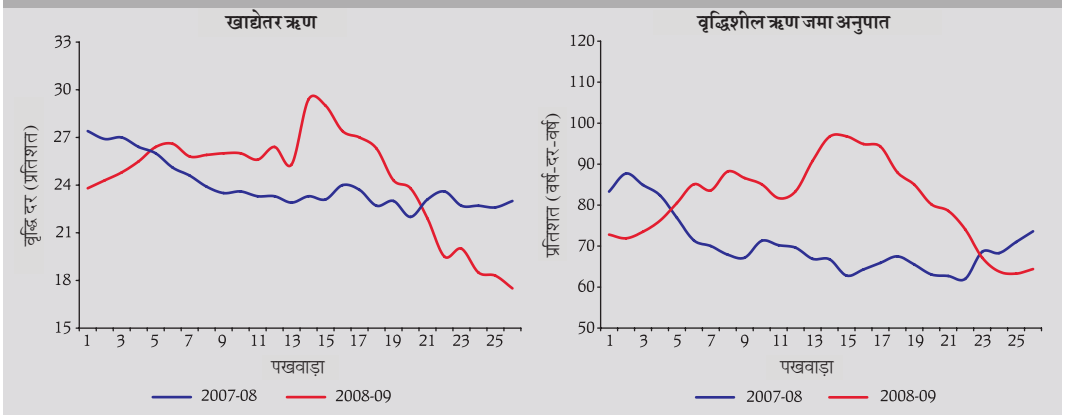

IV.7 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों से होने वाला बैंक क्रेडिट प्रवाह एक वर्ष पहले के 22.3 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2009 के अंत में 17.3 प्रतिशत हो गया। पूरी बैंकिंग प्रणाली में क्रेडिट विस्तार में यह गिरावट देखी गई लेकिन निजी और विदेशी बैंकों के लिए यह अपेक्षाकृत तेज रही (सारणी 37)।

IV.8 दिनांक 27 फरवरी 2009 तक उपलब्ध सकल बैंक क्रेडिट के खंड-वार नियोजन से संबंधित विभाजित आंकड़ों ने दर्शाया कि पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के 45.2 प्रतिशत की तुलना में उद्योग द्वारा लिया गया वृद्धिशील खाद्येतर क्रेडिट (वर्ष-दर-वर्ष) 52.5 प्रतिशत था। इस अवधि के दौरान उद्योग को दिये गये वृद्धिशील खाद्येतर क्रेडिट का विस्तार हुआ जिसमें बुनियादी संरचना, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और नाभिकीय ईंधन, लोहा और इस्पात, इंजीनियरिंग, निर्माण और रसायन तथा रासायनिक उत्पाद उद्योग अग्रणी रहे। छोटे उद्यमों (छोटे औद्योगिक और सेवा दोनों ही प्रकार के उद्यम) ने पिछले वर्ष की उसी अवधि के 19.2 प्रतिशत की तुलना में कुल वृद्धिशील खाद्येतर क्रेडिट का 15.4 प्रतिशत अवशोषित किया। अकेले बुनियादी संरचना क्षेत्र का हिस्सा ही पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के 33.2 प्रतिशत की तुलना में उद्योग को वृद्धिशील क्रेडिट का 31.3 प्रतिशत रहा। कृषि

चार्ट 17: अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा एसएलआर में निवेश

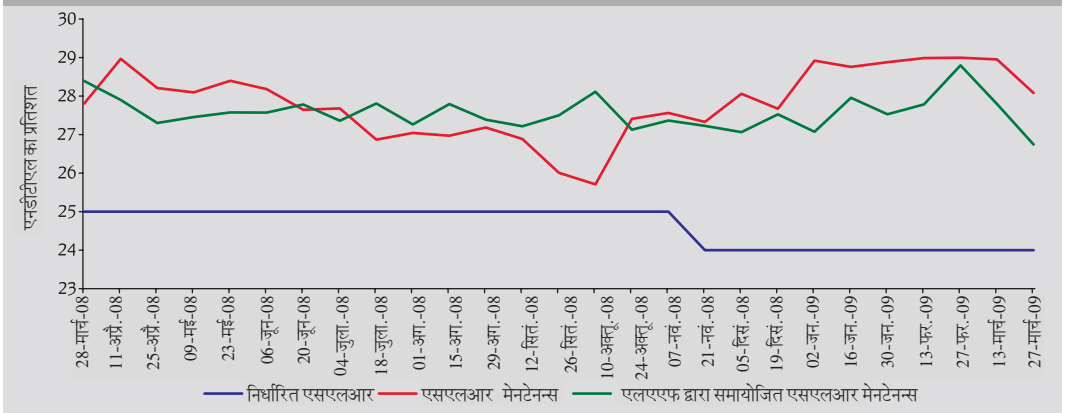

सारणी 37 :अनुसूचित वाणिज्य बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	27 मार्च 2009 को बकाया	घट-बढ़ (वर्ष-दर-वर्ष)			
		28 मार्च 2008 को		27 मार्च 2009 को	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
1. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	20,11,591	3,07,310	22.5	3,41,442	20.4
2. विदेशी बैंक	1,69,350	36,116	28.5	6,483	4.0
3. निजी बैंक	5,23,038	78,301	19.9	51,559	10.9
4. सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंक*	27,70,012	4,30,724	22.3	4,08,099	17.3

*: क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सहित।
टिप्पणी : आंकड़े अनंतिम हैं।

क्षेत्र में पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के 9.2 प्रतिशत की तुलना में वृद्धिशील खाद्येतर बैंक क्रेडिट का 13.0 प्रतिशत अवशोषित किया। निजी ऋण जिनका हिस्सा वृद्धिशील खाद्येतर क्रेडिट का 10.7 प्रतिशत रहा उसमें भी कुछ नरमी दिखाई दी; निजी ऋणों के अंदर आवास ऋणों में भारी मात्रा में गिरावट दिखाई दी। वाणिज्यिक रियल इस्टेट और बैंकेतर वित्तीय संस्थाओं को दिए जानेवाले ऋणों में वृद्धि ऊंची बनी रही (सारणी 38)।

IV.9 वाणिज्यिक क्षेत्र ने बैंकों के अलावा तरह-तरह के अन्य स्रोतों जैसे कि पूंजी बाजारों में निर्गम, वाणिज्यिक पत्र, गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), वित्तीय संस्थाएं, बाह्य वाणिज्यिक उधार, अमरीकन निक्षेपागार रसीदें (एडीआर)/ वैश्विक निक्षेपागार रसीदें (जीडीआर) जारी करना और विदेशी प्रत्यक्ष निवेश से संसाधन जुटाए। 2008-09 के दौरान अब तक वाणिज्यिक क्षेत्र को इन साधनों का प्रवाह गिरा जो देशी वित्तीय बाजारों में मंदी की स्थितियों के साथ-साथ बाह्य स्रोतों से निधियों के प्रवाह में कमी को दर्शाता है। देशी स्रोतों के बीच निजी स्थानन और आवास कंपनियों द्वारा दिए जानेवाले क्रेडिट को छोड़कर अन्य स्रोतों से होनेवाले संसाधनों के प्रवाहों में गिरावट आई है। सीधे विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को छोड़कर विदेशी स्रोतों के बीच सभी अन्य स्रोतों से संसाधनों का प्रवाह कम हुआ (सारणी 39)।

आरक्षित मुद्रा सर्वेक्षण

IV.10 आरक्षित मुद्रा में आंतर-वर्षीय गतिविधि में रिज़र्व बैंक के बाजार परिचालन और सीआरआर में परिवर्तनों तथा मांग और मीयादी देयताओं में भारी विस्तार के चलते रिज़र्व बैंक के पास बैंकरों की जमाराशियों में गतिविधियां दिखाई दीं। 2008-09 की शुरुआत में मुद्रास्फीतिकारी दबावों को देखते हुए रिज़र्व बैंक ने शुरू में अप्रैल-अगस्त 2008-09 के दौरान सीआरआर में 150 आधार अंकों की बढ़ोतरी करके उसे 9.0 प्रतिशत कर दिया। बाद में, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय उथल-पुथल और स्फीतिकारी दबावों के कम होने के परिप्रेक्ष्य में देशी मौद्रिक तथा चलनिधि स्थितियों पर इसके संभावित प्रभाव को देखते हुए रिज़र्व बैंक ने 11 अक्तूबर 2008 से सीआरआर में कुल 400 आधार अंक की कमी कर दी। 2008-09 के दौरान सीआरआर में तेज परिवर्तनों के संदर्भ में विश्लेषणीय प्रयोजन हेतु आरक्षित मुद्रा वृद्धि सीआरआर परिवर्तनों के प्रथम चक्र के प्रभाव के लिए समायोजित की गई जोकि अधिक प्रासांगिक हो गई है। सीआरआर में परिवर्तनों के प्रथम चक्र प्रभाव के लिए समायोजित 31 मार्च 2009 की स्थिति के अनुसार आरक्षित मुद्रा वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) एक वर्ष पहले के 25.3 प्रतिशत की तुलना में कम रहते हुए 19.0 प्रतिशत रही (चार्ट 18)। स्रोत पक्ष की ओर

सारणी 38 : खाद्येतर बैंक ऋण का क्षेत्रीय नियोजन

(राशि करोड रुपए में)

क्षेत्र / उद्योग	27 फरवरी 2009 को बकाया	वर्ष-दर-वर्ष घट-बढ़			
		15 फरवरी 2008		27 फरवरी 2009	
		राशि	प्रतिशत	राशि	प्रतिशत
1	2	3	4	5	6
खाद्येतर सकल बैंक ऋण (1 से 4)	**24,92,685**	**3,71,053**	**22.0**	**4,06,304**	**19.5**
1. कृषि और संबंधित कार्य	**2,97,753**	**34,013**	**16.4**	**52,742**	**21.5**
2. उद्योग (लघु, मझौले एवं बड़े)	**10,39,821**	**1,67,819**	**25.9**	**2,13,261**	**25.8**
3. वैयक्तिक ऋण	**5,55,392**	**58,669**	**13.2**	**43,559**	**8.5**
आवास निर्माण	2,72,376	26,930	12.0	19,012	7.5
मीयादी जमाराशि पर अग्रिम	45,779	5,773	15.6	2,872	6.7
क्रेडिट कार्ड	28,926	8,947	51.3	2,332	8.8
शिक्षा	27,832	5,938	40.9	7,030	33.8
उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं	8,211	525	5.9	-1,393	-14.5
4. सेवाएं	**5,99,719**	**1,10,553**	**28.4**	**96,742**	**19.2**
परिवहन परिचालक	38,638	9,669	43.3	5,783	17.6
प्रोफेशनल और अन्य सेवाएं	39,841	5,188	24.1	13,071	48.8
व्यापार	1,38,187	17,731	17.5	17,896	14.9
स्थावर संपदा ऋण	90,765	11,361	26.7	34,533	61.4
गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां	90,521	20,979	48.6	26,651	41.7
ज्ञापन:					
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र	**8,28,892**	**99,277**	**16.9**	**1,33,304**	**19.2**
लघु तथा छोटे उद्यम (निर्माण एवं सेवाएं)	2,39,399	71,182	67.4	62,580	35.4
उद्योग (छोटे, मझौले और बड़े)	**10,39,821**	**1,67,819**	**25.9**	**2,13,261**	**25.8**
खाद्य प्रसंस्करण	53,855	11,720	32.0	5,190	10.7
वस्त्रोद्योग	1,03,732	16,862	23.0	11,537	12.5
कागज एवं कागज के उत्पाद	16,491	2,470	23.0	3,132	23.4
पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद एवं नाभिकीय ईंधन	72,762	7,412	23.3	31,933	78.2
रसायन एवं रासायनिक उत्पाद	73,269	7,437	13.9	11,899	19.4
रबड़, प्लास्टिक एवं उनके उत्पाद	13,269	1,355	16.1	3,368	34.0
लोहा तथा इस्पात	1,00,383	11,661	19.2	27,117	37.0
अन्य धातु तथा धातु के उत्पाद	30,111	3,634	18.5	6,302	26.5
इंजीनियरिंग	66,868	10,623	26.2	15,884	31.2
वाहन, वाहन के पुर्जे तथा परिवहन उपस्कर	35,505	7,337	38.4	7,157	25.2
रत्न तथा आभूषण	27,242	2,073	9.3	2,454	9.9
निर्माण	38,207	5,856	33.3	14,141	58.8
बुनियादी ढांचा	2,56,860	55,716	42.1	66,770	35.1

टिप्पणी : 1) आंकड़े अनंतिम हैं और चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्य बैंकों से संबधित हैं।

2) आंकड़ों में भारत ओवरसीज बैंक जिसका इंडियन ओवरसीज बैंक में , अमरीकन एक्सप्रेस बैंक जिसका स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक में तथा स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र जिसका भारतीय स्टेट बैंक में विलय हुआ था, के आंकड़े भी शामिल हैं ।

3) 26 पखवाड़ों के तुलनीय आंकड़ों की घट-बढ़ प्राप्त करने के लिए फरवरी 2008 में हुई ऋण वृद्धि का संकलन 15 फरवरी 2008 के बकाया आंकड़ों से किया गया है।

आरक्षित निधि निवल विदेशी मुद्रा आस्तियों (पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित) जोकि बीते 3 वर्षों के लिए प्रमुख प्रेरक रही है, के ठीक विपरीत 2008-09 के दौरान निवल विदेशी आस्तियों के द्वारा प्रेरित थी। आरक्षित मुद्रा और घरेलू चलनिधि पर निवल विदेशी मुद्रा आस्तियों में गिरावट का संकुचनकारी प्रभाव रुपया चलनिधि बढ़ाने के लिए खुले बाजार परिचालनों, बाजार स्थिरीकरण योजना की अनवाइंडिंग और अन्य उपायों के माध्यम से

सारणी 39: वाणिज्य क्षेत्रों को वित्तीय संसाधनों का प्रवाह

(करोड़ रुपए)

मद	2007-08	2008-09
1	2	3
अ. समायोजित खाद्येतर बैंक ऋण	**4,44,807**	**4,14,902**
i) खाद्येतर ऋण	4,32,846	4,06,287
ii) एससीबी द्वारा गैर-एसएलआर निवेश	11,961	8,615
आ. बैंकों से इतर अन्य स्रोतों से आपूर्ति (आ.1+आ.2)	**3,35,698**	**2,64,138**
आ.1 घरेलू स्रोत	**1,72,338**	**1,50,604**
1. वित्तेतर संस्थाओं द्वारा सार्वजनिक निर्गम	51,478	14,205
2. वित्तेतर संस्थाओं द्वारा सकल निजी स्थानन #	47,419	51,254
3. बैंक से इतर द्वारा अभिदान किए गए वाणिज्य पत्रों का निवल निर्गम	10,660	5,365
4. आवस वित्त कंपनियों द्वारा निवल ऋण **	8,693	16,438
5. आरबीआइ द्वारा विनियमित 4 अखिल भारतीय वित्तीय संस्थाओं- नाबार्ड, एनएचबी,सिडबी और निर्यात-आयात बैंक द्वारा कुल सकल सहायता #	4,650	9,862
6. बैंक ऋण घटाकर प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण जमाराशियां न लेने वाली एनबीएफसी सहायता #	25,163	-12,335
7. कंपनी ऋण, बुनियादी तथा सामाजिक क्षेत्र में एलआइसी का सकल निवेश	24,275	65,815
आ.2 विदेशी स्रोत	**1,63,360**	**1,13,534**
1. बाह्य वाणिज्यिक उधार / एफसीसीबी #	70,382	32,765
2. एडीआर /जीडीआर निर्गम (बैंक और वित्तीय संस्थाओं के निर्गमों को छोड़कर)	13,023	4,788
3. विदेश से अल्पावधि ऋण @	53,080	4,584
4. भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश *	26,875	71,397
इ. वित्तीय संसाधनों का कुल प्रवाह (अ+आ)	**7,80,505**	**6,79,040**

#: दिसंबर 2008 तक * : जनवरी 2009 तक @ : फरवरी 2009 तक ** : सितंबर 2008 तक

टिप्पणी : आंकड़े *मैक्रोइकॉनॉमिक मोनिटरी डेवलपमेंट : थर्ड क्वार्टर रिव्यू 2008-09* में प्रकाशित आंकड़ों से तुलनीय नहीं है, जो मद आ.1.7 से एकमात्र संबंधित है।

निवल विदेशी आस्तियों का विस्तार करके बराबर कर लिया गया था (देखें अध्याय V,अनुबंध 2)। केंद्र को रिज़र्व बैंक का निवल क्रेडिट पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के 1,16,772 करोड़ रुपए की गिरावट की तुलना में 2008-09 के दौरान 1,83,947 करोड़ रुपए बढ़ा (सारणी 40)। रिज़र्व बैंक की विदेशी करेंसी आस्तियां

चार्ट 18 : आरक्षित मुद्रा में वृद्धि

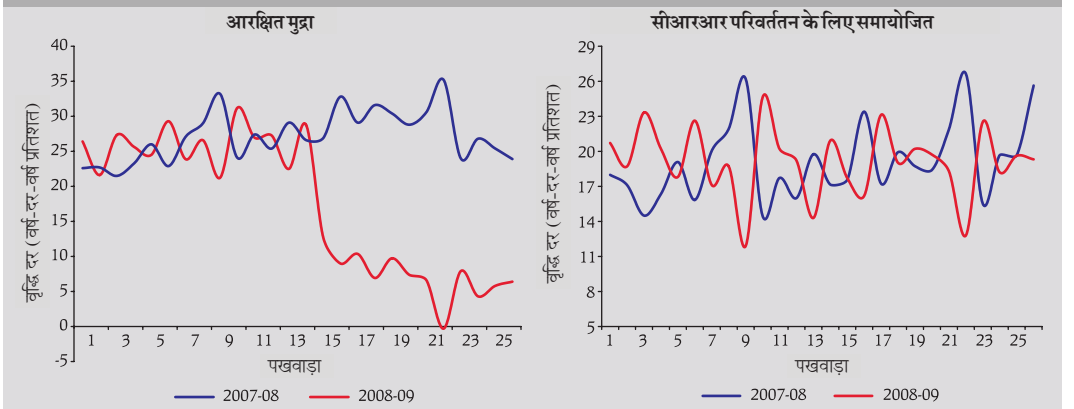

(पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित) पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि के दौरान 3,70,550 करोड़ रुपए की वृद्धि की तुलना में 1,00,308 करोड़ रुपए घट गई (चार्ट 19)। सीआरआर में परिवर्तन के प्रथम चक्र के प्रभाव के लिए

सारणी 40 : आरक्षित मुद्रा : घट-बढ़

(राशि करोड़ रुपए में)

मद	2009 तक बकाया	31 मार्च	2007-08	2008-09			2008-09
				ति.1	ति.2	ति.3	ति.4
1	2	3	4	5	6	7	8
आरक्षित मुद्रा	9,87,902	2,19,412 (31.0)	59,600 (6.4)	3,416	25,218	-70,452	1,01,417
समायोजित आरक्षित मुद्रा		*1,72,412 (25.3)*	*1,61,850 (19.0)*	*-24,584*	*-4,532*	*69,548*	*1,21,417*
घटक (1+2+3)							
1. संचलन में मुद्रा	6,91,083	86,702 (17.2)	1,00,282 (17.0)	36,859	-14,516	38,277	39,663
2. भारिबैं के पास बैंकरों की जमाराशियां	2,91,275	1,31,152 (66.5)	-37,172 (-11.3)	-29,333	39,219	-1,15,773	68,714
3. भारिबैं के पास 'अन्य' जमाराशियां	5,544	1,558 (20.8)	-3,510 (-38.8)	-4,110	514	7,045	-6,959
स्रोत (1+2+3+4-5)							
1. भारिबैं द्वारा सरकार को दिए गए निवल ऋण	69,913	-1,15,632	1,83,122	-13	51,360	30,230	1,01,545
जिसमें से: केंद्र को (i+ii+iii+iv-v)	69,311	-1,16,772	1,83,947	1,430	51,379	29,932	1,01,206
i. ऋण और अग्रिम	0	0	0	0	0	0	0
ii. भारिबैं के पास खजाना बिल	0	0	0	0	0	0	0
iii. भारिबैं के पास दिनांकित प्रतिभूतियां	1,57,389	17,421	42,796	-39,239	56,975	-44,206	69,266
iv. भारिबैं के पास रुपया सिक्के	99	121	-34	-1	-26	27	-33
v. केंद्र सरकार की जमाराशियां	88,177	1,34,314	-1,41,184	-40,670	5,570	-74,111	-31,974
2. भारिबैं द्वारा बैंकों और वाणिज्यिक क्षेत्र को दिए गए ऋण	24,177	-2,794	17,799	-3,358	4,963	5,032	11,163
3. भारतीय रिजर्व बैंक की निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां	12,80,116	3,69,977	43,986 (42.7)	1,03,932 (3.6)	10,336	-1,56,330	86,048
जिसमें से :							
एफसीए, पुनर्मूल्यन के लिए समायोजित	–	3,70,550	-1,00,308	15,535	-31,641	-92,102	7,900
4. जनता के प्रति सरकार की मुद्रा देयताएं	9,984	1,063	760	225	206	186	143
5. भारिबैं की निवल गैर मौद्रिक देयताएं	3,96,289	33,202	1,86,068	97,369	41,648	-50,431	97,481
ज्ञापन:							
निवल घरेलू आस्तियां	-2,92,214	-1,50,565	15,614	-1,00,516	14,882	85,879	15,370
एलएएफ - रिपो (+) /रिवर्स रिपो (-)	-1,485	21,165	-51,835	-45,350	51,480	-62,170	4,205
निवल खुले बाजार की बिक्री # *	–	-5,923	-94,548	-8,696	-10,535	-7,669	-67,649
केंद्र का अधिशेष	16,319	26,594	-60,367	-42,427	6,199	-32,830	8,691
एमएसएस के अंतर्गत संग्रहण	88,077	1,05,419	-80,315	6,040	-628	-53,754	-31,973
प्राधिकृत व्यापारियों से/को निवल क्रय (+) / विक्रय (-)							
प्राधिकृत व्यापारी	–	3,12,054	-1,60,765^	3,956	-52,761	-1,11,877	-83^
एनएफईए / आरक्षित मुद्रा @	129.6	133.2	129.6	143.8	141.1	134.7	129.6
एनएफईए / मुद्रा @	185.2	209.2	185.2	213.5	220.2	183.3	185.2

एनएफईए : निवल विदेशी मुद्रा आस्तियां एफसीए : विदेशी मुद्रा आस्तियां एलएएफ : चलनिधि समायोजन सुविधा
* : अंकित मूल्य पर # : खजाना बिलों को छोड़कर @ : प्रतिशत : अवधि के अंत में ^: फरवरी 2009 के अंत तक

टिप्पणी : 1. ति.4 और अन्य सभी तिमाहियों के लिए रिपोर्टिंग शुक्रवार के लिए आंकड़े 31 मार्च पर आधारित हैं।
2. कोष्ठकों के आंकड़े प्रतिशत घट-बढ़ हैं
3. 31 मार्च 2009 को सरकारी शेष खाते बंद करने के पहले का है।

चार्ट 19: भा.रि.बैंक की निवल विदेशी आस्तियों में अभिवृद्धि

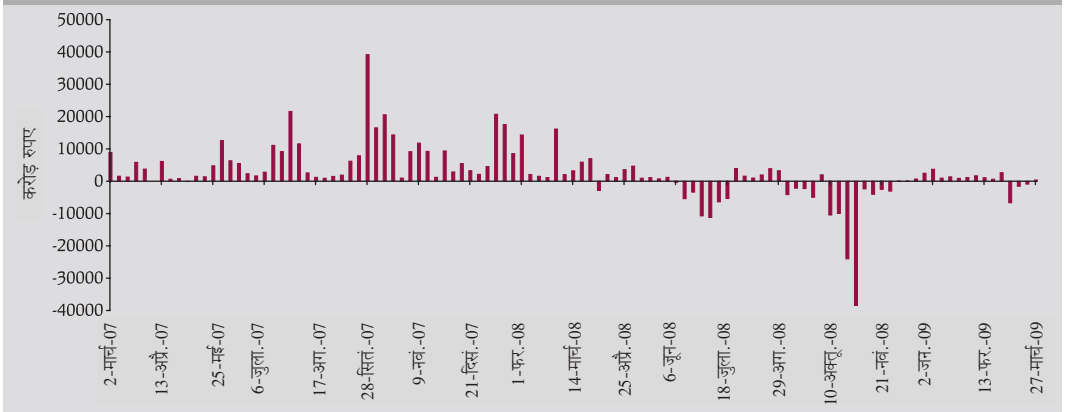

समायोजित आरक्षित मुद्रा वृद्धि (वर्ष-दर-वर्ष) एक वर्ष पहले के 20.4 प्रतिशत की तुलना में 10 अप्रैल 2009 को 17.3 प्रतिशत थी।

IV.11 सीआरआर में परिवर्तनों ने मुद्रा गुणकों को प्रभावित किया है अर्थात व्यापक मुद्रा और आरक्षित मुद्रा अनुपात प्रभावित हुआ। सीआरआर में की गई वृद्धियों के कारण मुद्रा गुणक मार्च 2007 के अंत के 4.7 से गिरकर मार्च 2008 के अंत में 4.3 हो गया और मार्च 2009 के अंत में बढ़कर 4.8 हो गया जो सीआरआर को बाद में और कम करना दर्शाता है (चार्ट 20)।

IV.12 2008-09 के दौरान केंद्र सरकार को रिज़र्व बैंक के निवल क्रेडिट की गतिविधियों ने रिज़र्व बैंक के चलनिधि प्रबंध परिचालनों और रिज़र्व बैंक के पास केंद्र सरकार की जमाराशियों को व्यापक रूप से दर्शाया। विशेष रूप से केंद्र सरकार को रिज़र्व बैंक का क्रेडिट खुले बाजार परिचालनों के अंतर्गत रिज़र्व बैंक की खरीदारी, रिज़र्व बैंक के पास केंद्र के नकद शेष में गिरावट तथा बाजार स्थिरीकरण योजना के अंतर्गत शेषों की अनवाइंडिंग के कारण बढ़ गया (विस्तृत विवरण अध्याय V और सारणी 47 में देखें)।

चार्ट 20: मुद्रा गुणक